पु∙ना International School

₹

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

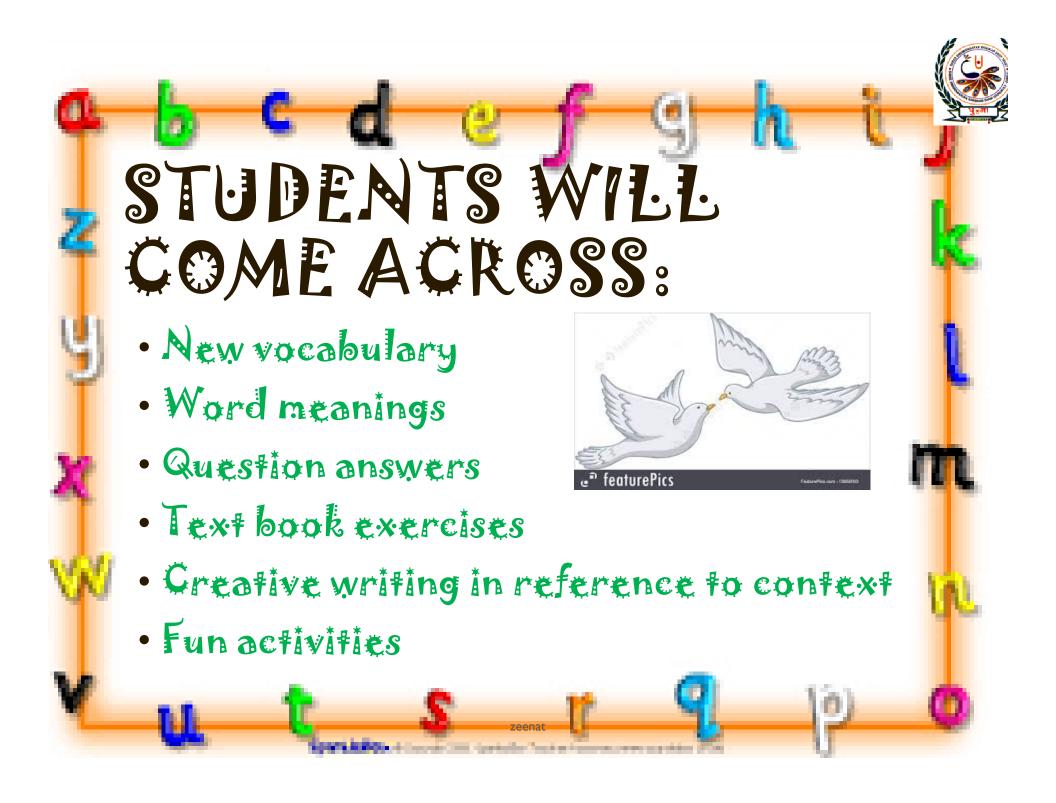
july planning pack











DBJECTIVES

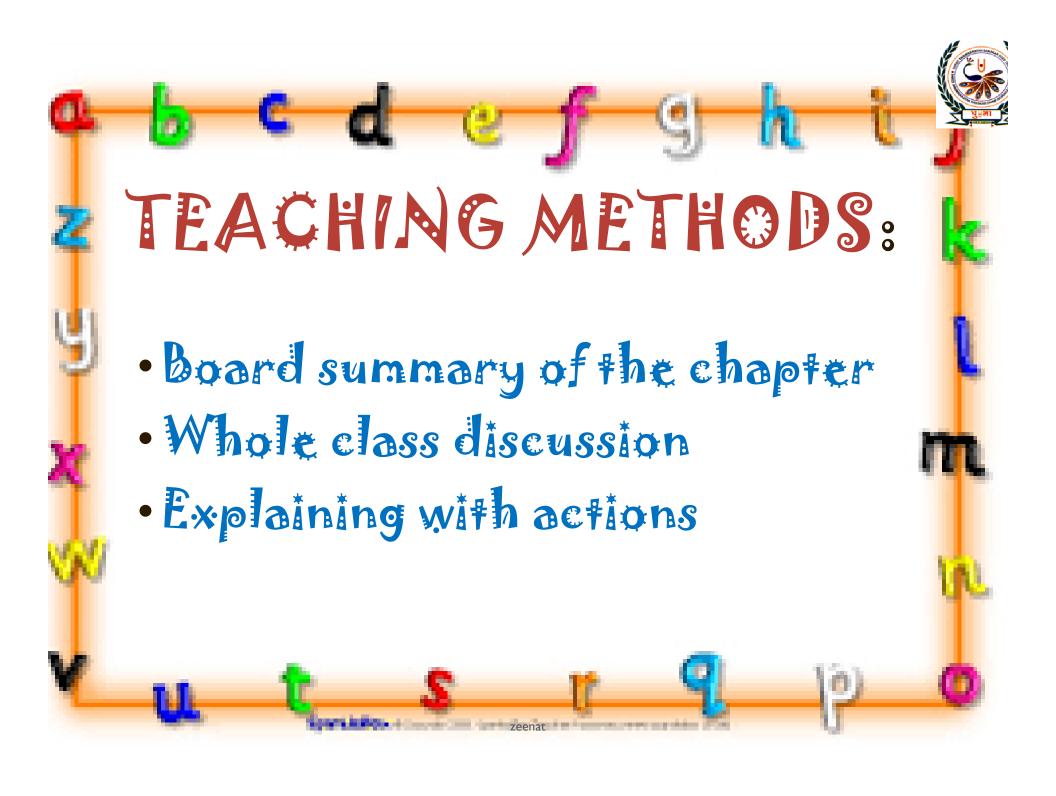
TO MAKE LEARNING SPONTENEOUS AND JOYFUL ACTIVITY.

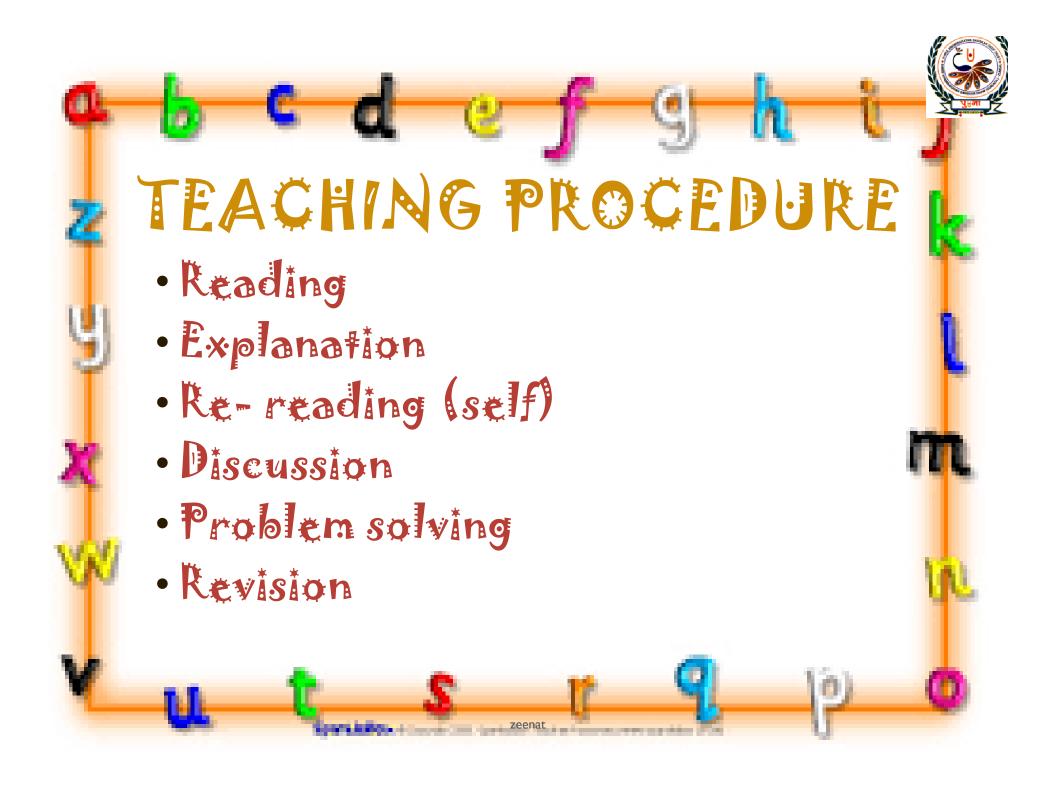
TO DEVELOP READING AND UNDERSTANDING OF THE LESSON.

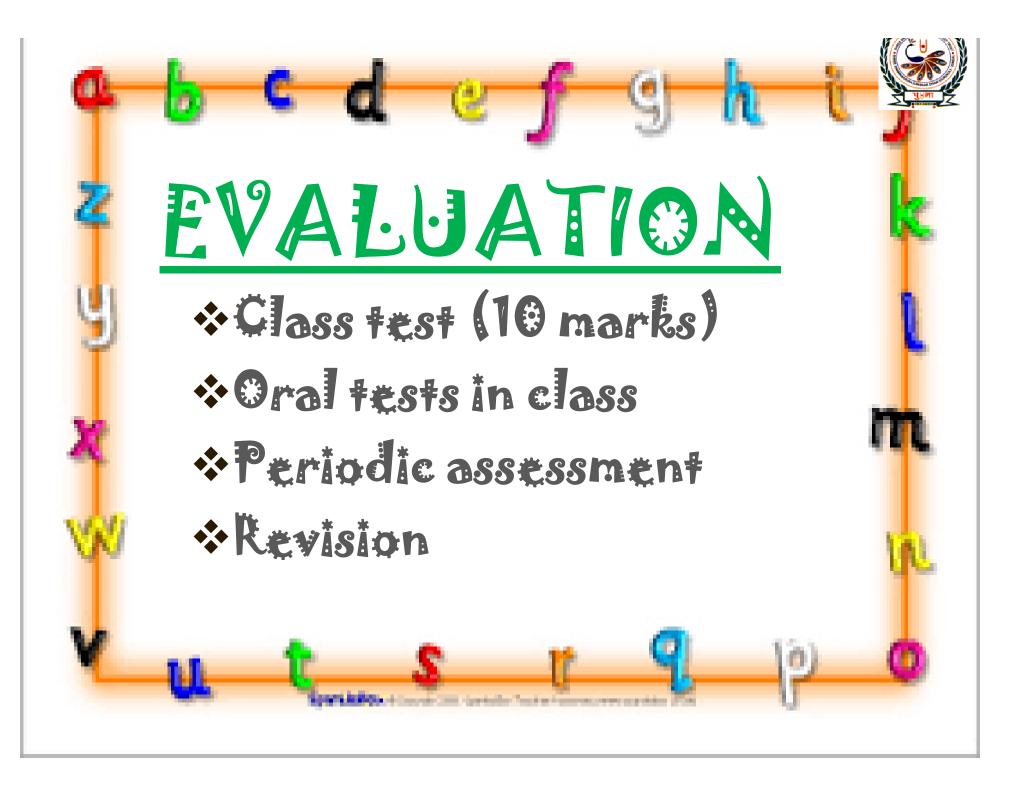
TO DEVELOP THE ABILITY TO USE LANGUAGE CORRECTY AND CREATIVELY.

TO LEARN NEW WORD MEANINGS.

TO BE ABLE TO THINK WISELY AND DISCOURAGING LAZINESS

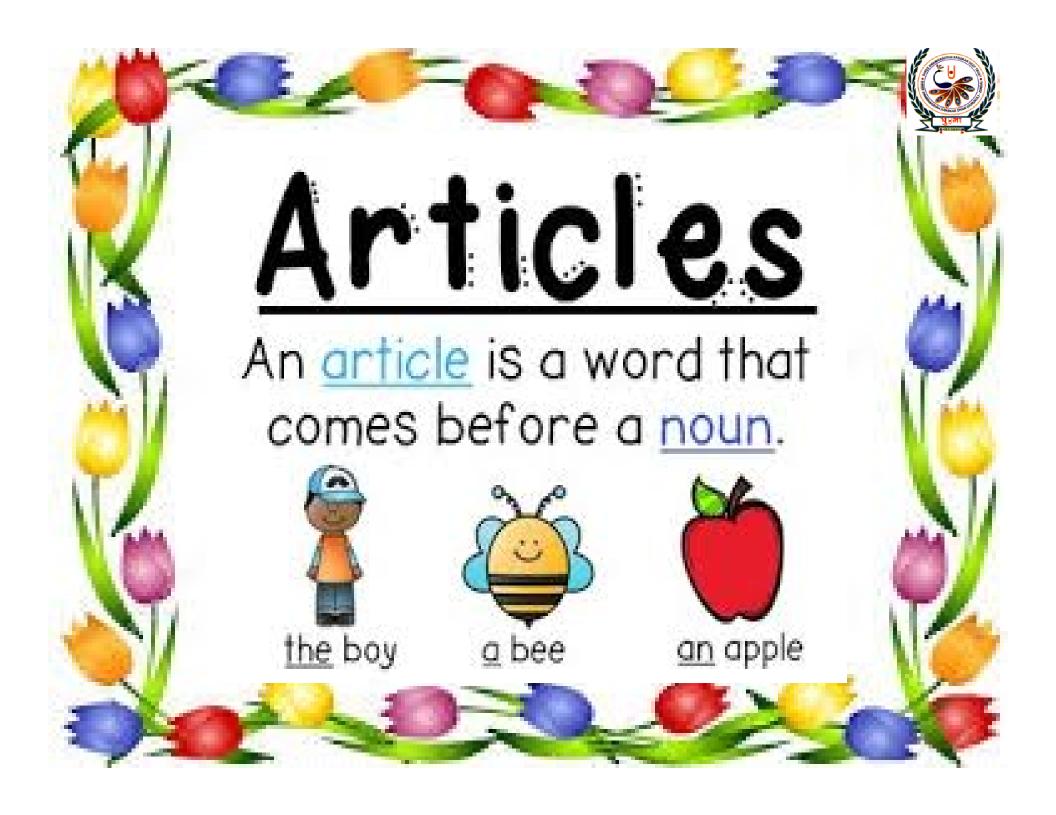


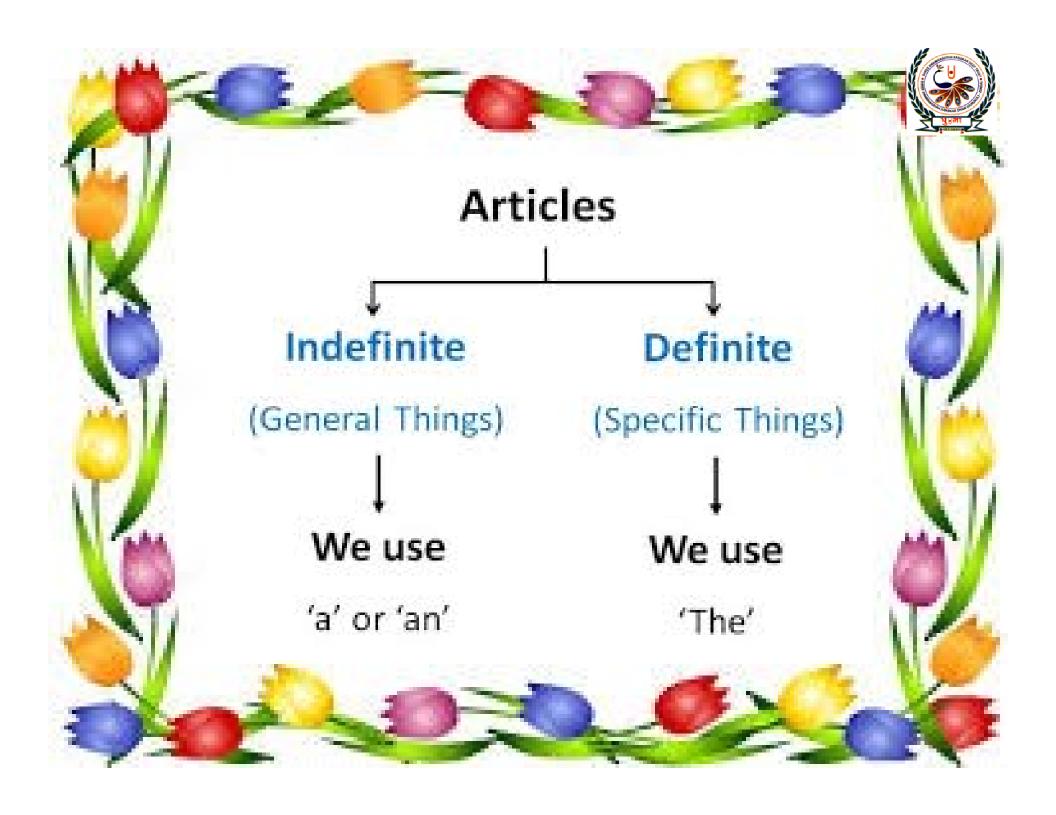








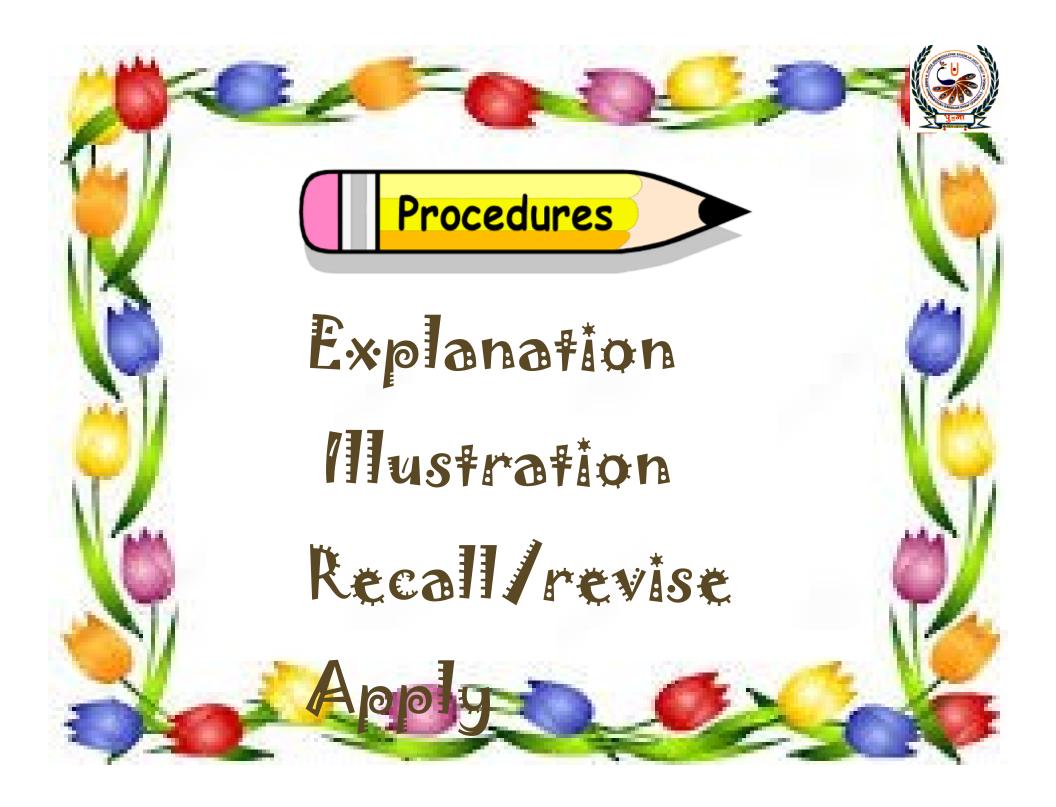


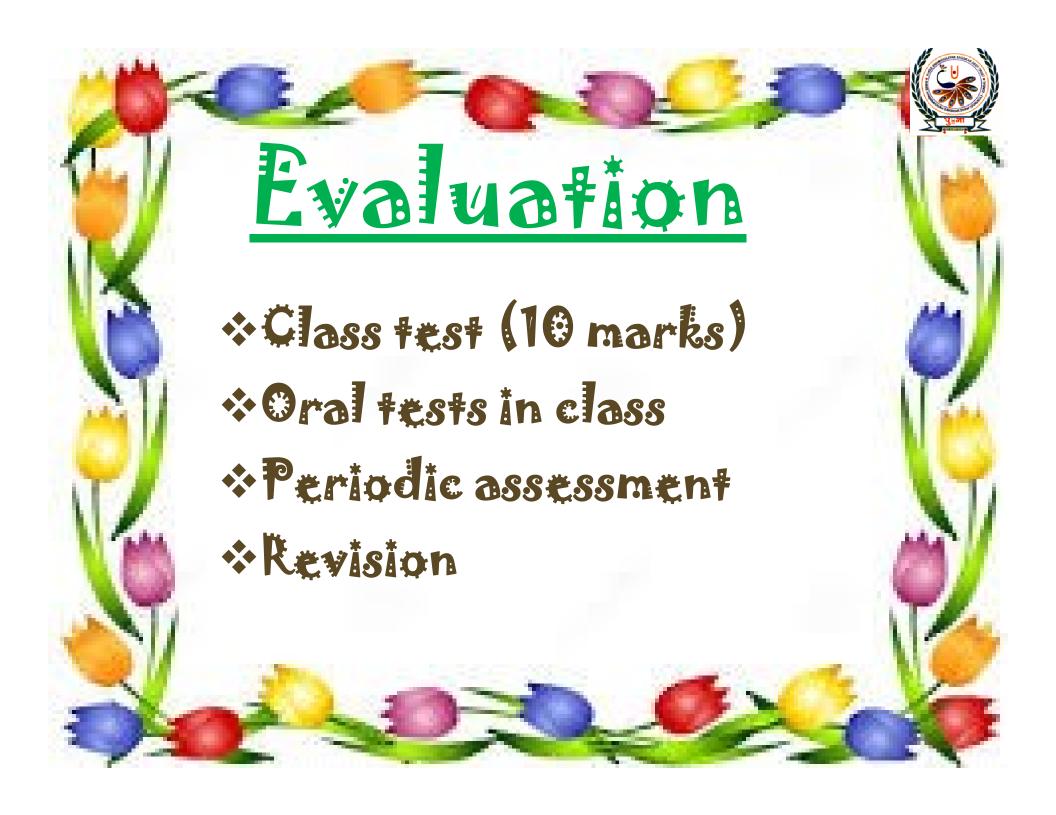










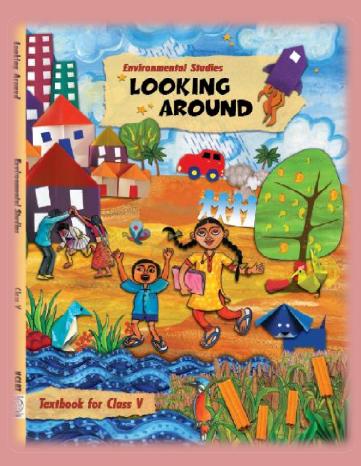




पु•ना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

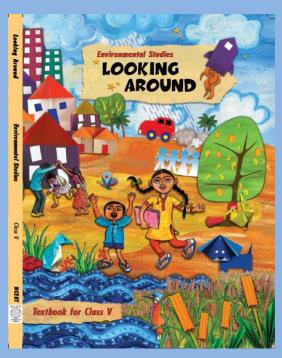
WEL COME TO ACADEMIC GLIMPSE OF



GRADE: V
EVS
EVS
Month of JulyNOUGU 01101A2019







Ch-5 Seeds and Seeds

Ch-6 Every Drop Counts

पु•्ना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal





Sprouting

Germination

Soaked in water and tied in a cloth at a warm place....

Shoot comes out after a day or two

Air, water and warmth...

First the root comes out and then the stem..

CH-5 SEEDS AND SEEDS

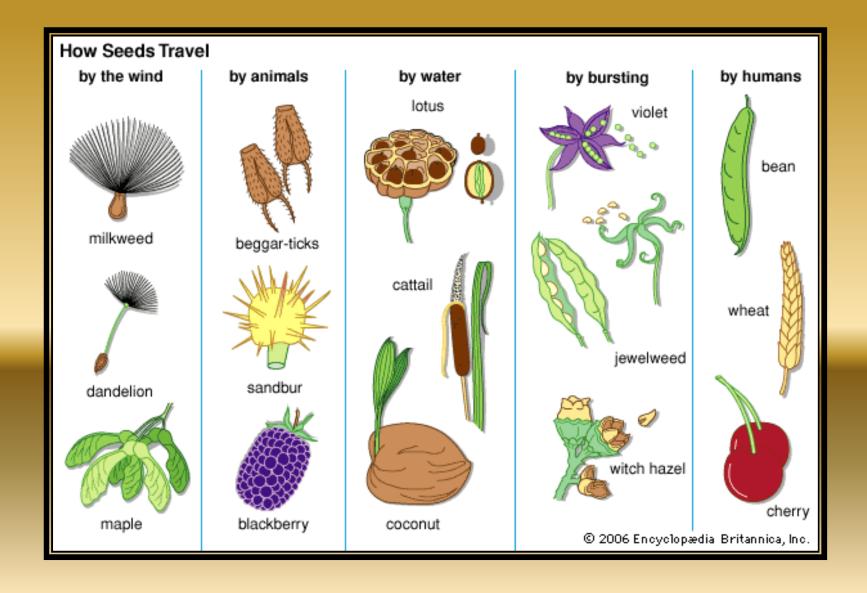


Seeds travel through

- By flying
- By bursting
- By sticking to animal fur or clothes
- By throwing away seeds through human/animals



TEACHING AID





CH-6 Every drop counts





How we get water

In old Time

Rain Water

Pond made by people

Stepwells (bavdis) made by people

Drinking water while travel

In New Time

Jal board tanker

Borewells

Overhead tanks

Canals

Pumps on Jal board pipeline

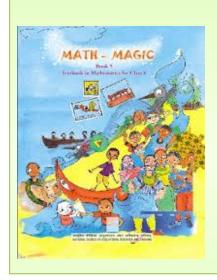






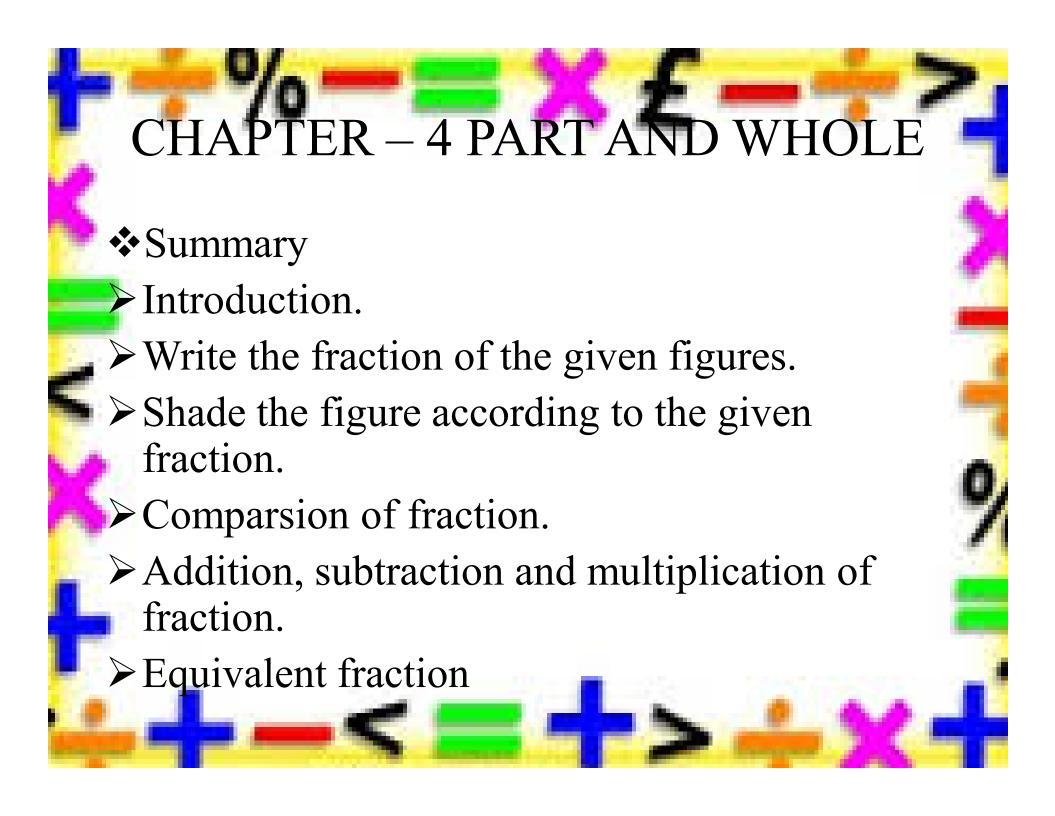


CLASS – V MATH MAGIC CHAPTERS IN THE MONTH OF JULY 2019



Ch – 4 PARTS AND WHOLE
AND
Ch -5 DOES IT LOOK THE
SAME?

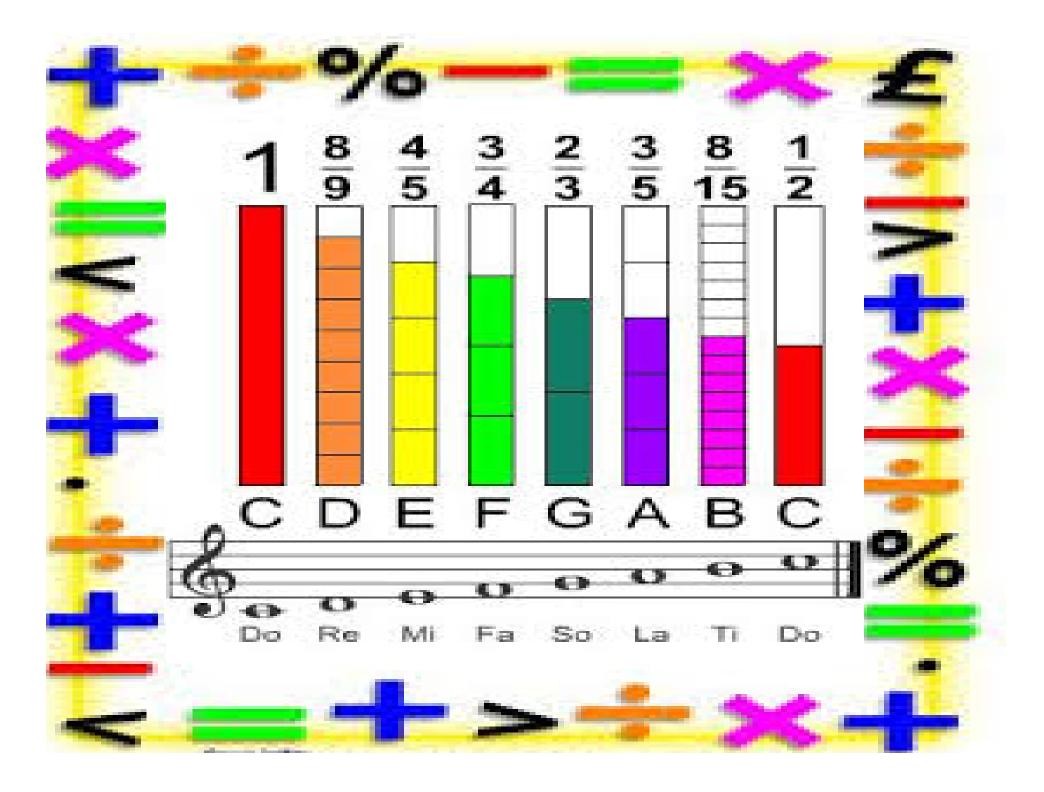


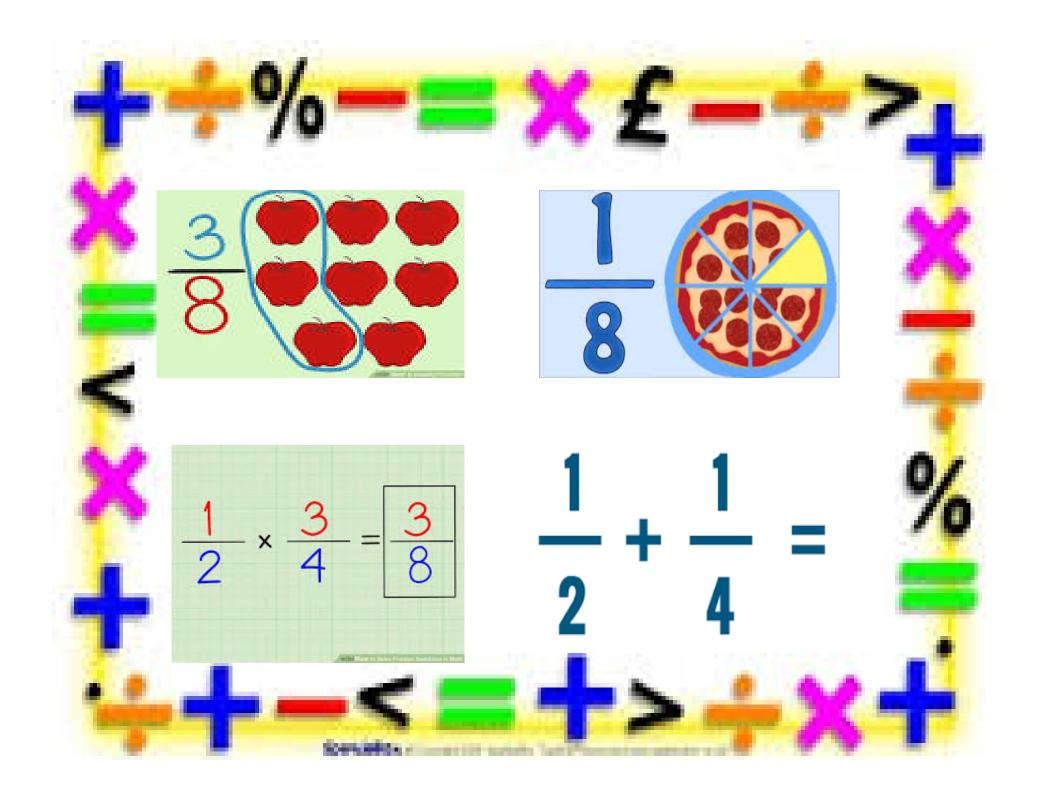




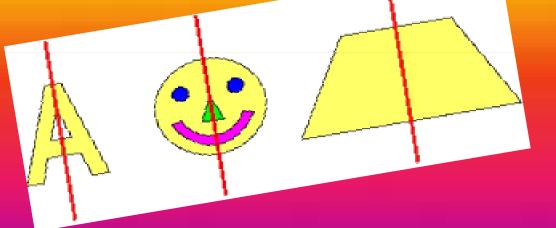
- A fraction is a way of representing division of whole into parts'.
- For example:-

Fraction divided into two parts





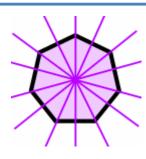
SYMMETRY



CHAPTER – 5 Does it look the same?

Summary

- **❖**Introduction.
- Types of symmetry.
- ❖ Figure with more than one line symmetry.
- Look at the figures and draw its shape after half turn and one fourth turn.
- Multiple choice question.





❖Line of symmetry:-

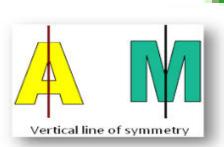
A line dividing a figure into two identical parts is called the line of symmetry.

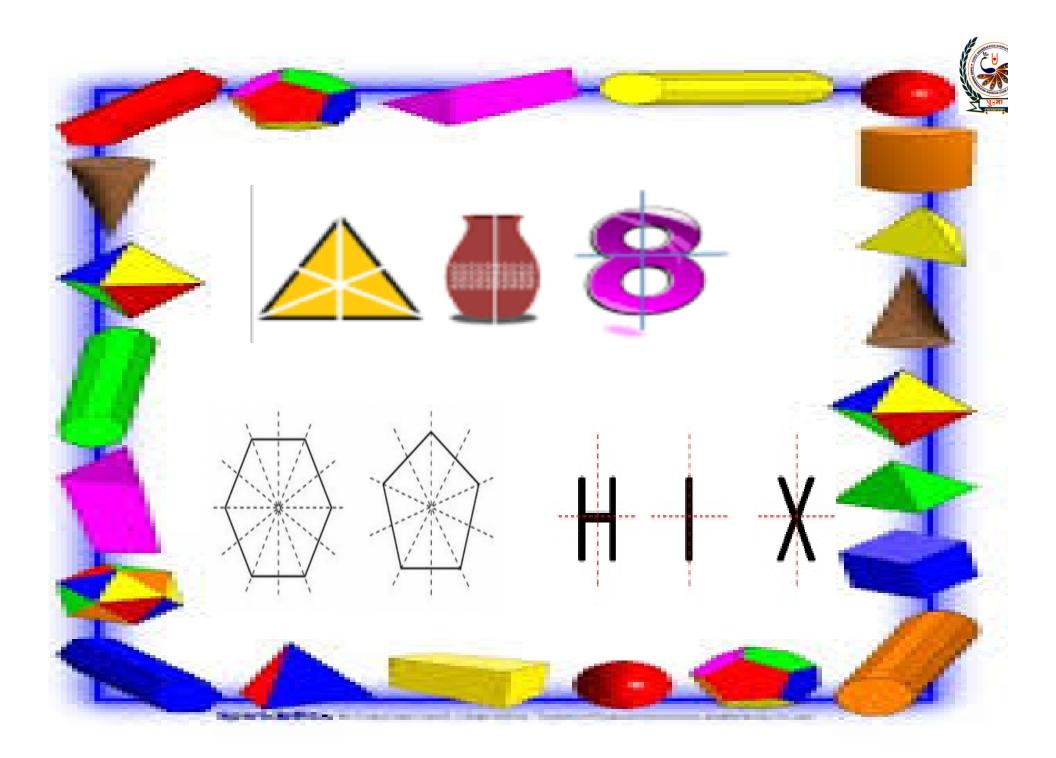
❖ Types of symmetry:-

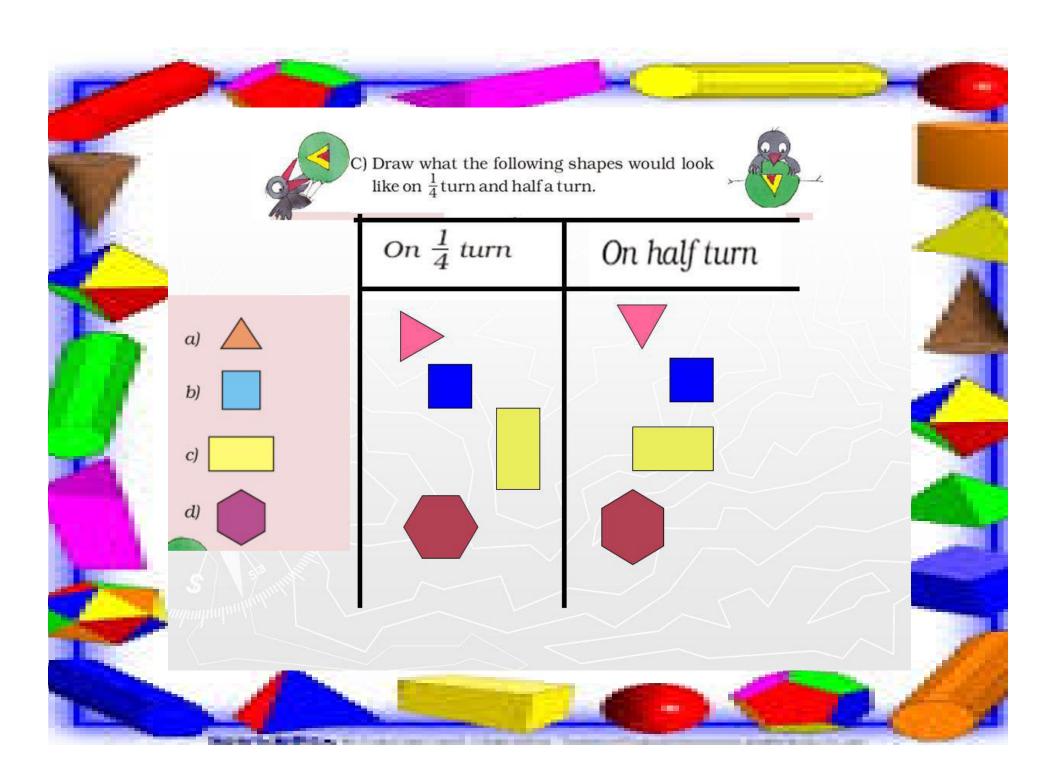
[A] Symmetry of shapes

[B] Symmetry of alphabets

[C] Symmetry of numbers







पु⊍ना International School



Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

शिक्षण सामग्री

- डाकिये का चित्र
- फ्लेश कार्ड
- चार्ट



डाकिया



विवरण 'डाकिया' खाकी पैंट और खाकी कमीज़ पहने, कंधे पर खाकी झोला लटकाए एक व्यक्ति होता है।

अन्य नाम डाक बाबू, डाकिया भैया, पोस्टमैन, चिट्ठीरसा

महत्त्व ज़मीनी स्तर पर डाकिया ही डाक विभाग का

ज़मीनी स्तर पर डाकिया ही डाक विभाग का वास्तविक प्रतिनिधि होता है। भारतीय समाज में डाकिया को सबसे सम्मान का दर्जा मिला है। सरकार और जनता के बीच संवाद की वह सबसे मजबूत कड़ी है।

वर्तमान में जैसे-जैसे व्यक्तिगत एवं सामाजिक रिश्तों में आत्मीयता व भावनात्मकता कम होती गयी, वैसे-वैसे ही डाकिया का दृष्टिकोण भी भावनात्मक की बजाय

अन्य नाम	डाक बाबू, डाकिया भैया, पोस्टमैन, चिट्ठीरसा	in the second
महत्त्व	ज़मीनी स्तर पर डाकिया ही डाक विभाग का वास्तविक प्रतिनिधि होता है। भारतीय समाज में डाकिया को सबसे सम्मान का दर्जा मिला है। सरकार और जनता के बीच संवाद की वह सबसे मजबूत कड़ी है।	
वर्तमान में	जैसे-जैसे व्यक्तिगत एवं सामाजिक रिश्तों में आत्मीयता व भावनात्मकता कम होती गयी, वैसे-वैसे ही डाकिया का दृष्टिकोण भी भावनात्मक की बजाय व्यवसायिक होता गया।	
संबंधित लेख	भारतीय डाक, डाक संचार, डाक टिकट, डाकघर, तार, पोस्टकार्ड	
अन्य जानकारी	डाकिया कम वेतन पाकर भी अपना काम अत्यन्त परिश्रम और लगन के साथ सम्प्पन्न करता है। गर्मी, सर्दी और बरसात का सामना करते हुए वह समाज की सेवा करता है।	





सामाजिक जीवन की एक आधारभूत कड़ी

'डाकिया' भारतीय सामाजिक जीवन की एक आधारभूत कड़ी है। डाकिया द्वारा डाक लाना, पत्रों का बेसब्री से इंतज़ार, डाकिया से ही पत्र पढ़वाकर उसका जवाब लिखवाना इत्यादि तमाम महत्वपूर्ण पहलू हैं, जिन्हें नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता। उसके परिचित सभी तबके के लोग हैं। कभी-कभी जो काम बड़े अधिकारी भी नहीं करा पाते वह डाकिया चंद मिनटों में करा देता है। कारण डाक विभाग का वह सबसे मुखर चेहरा है। जहाँ कई अन्य देशों ने होम-टू-होम डिलीवरी को खत्म करने की तरफ कदम बढ़ाये हैं, या इसे सुविधा-शुल्क से जोड़ दिया है, वहीं भारतीय डाकिया आज भी देश के हर होने में स्थित गाँव में निःशुल्क अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है। जैसे-जैसे व्यक्तिगत एवं सामाजिक रिश्तों में आत्मीयता व भावनात्मकता कम होती गयी, वैसे-वैसे ही डाकिया का दृष्टिकोण भी भावनात्मक की बजाय व्यवसायिक होता गया। ^[2]









पु⊍ना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal



काल किसे कहते है काल के उदाहरण

क्रिया के जिस रूप से कार्य करने या होने के समय के बारे में पता चले उसे 'काल' कहते है।

दूसरो शब्दों में क्रिया के उस रूपान्तर को काल कहते है, जिससे उसके कार्य-व्यापर का समय और उसकी पूर्ण अथवा अपूर्ण अवस्था का ज्ञान हो जैसे –

- 1. सुनील गीता पढ़ता है
- 2. प्रदीप पढ़ रहा है
- 3. रमेश कल दिल्ली जाएगा
- 4. कल शहर में एक जनसभा हो रही थी



भूतकाल

काल के भेद

वर्तमानकाल

भविष्यकाल



गतिविधि

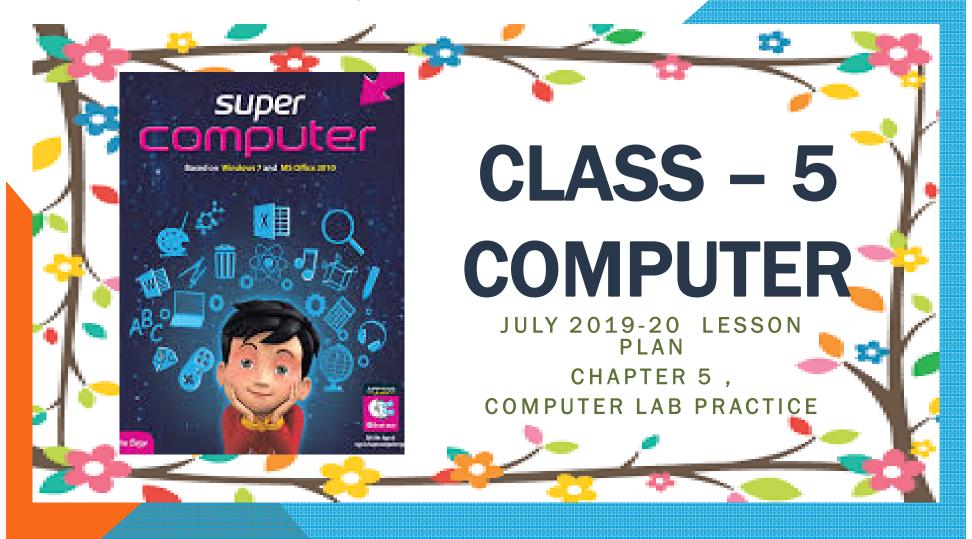
• डाकिये का चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ ।



पु्⊍ना International School



Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal



TEACHING AIDS

पु⊍ना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

















CH-3 EXPLORING WINDOWS 7





